प्रकशनार्थ

पटना, 28 अक्तूबर। बिहार के माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद ने आज बिहार में बाल बजट निर्माण हेतु मैनुअल का लोकार्पण किया। इस मैनुअल को बिहार सरकार के वित्त विभाग और यूनीसेफ की बिहार फील्ड ऑफिस के साथ मिलकर एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) द्वारा तैयार किया गया है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में 0-18 वर्ष उम्र वाले बच्चों की आबादी 5 करोड़ है। इन बच्चों का 90 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है। उनकी टिप्पणी थी कि हमलोगों को उनके विकास को आगे बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए जिससे कि वे भविष्य में सभी क्षेत्रों में आगे रह सकें। इससे बिहार का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार देश के उन तीन राज्यों में से एक है जहां 2013-14 में ही बाल बजट का निर्माण शुरू हुआ है।

श्री प्रसाद ने जोर देकर कहा कि पिछले नौ वर्षों में बच्चों के लिए आबंटन और व्यय में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2013-14 से 2019-20 के बीच बच्चों के लिए समग्र व्यय में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज हुई है। बिहार सरकार कन्या उत्थान योजना जैसी योजनाओं की सहायता से लड़कियों की स्थिति में सुधार के लिए गंभीरता से काम कर रही है। बहुत सारे नए स्कूल खोले गए हैं जिससे बच्चों की छीजन दरों में कमी आ गई है।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने अपने विशेष संबोधन में कहा कि बाल बजट में लड़कियों के लिए एक अलग अध्याय होना चाहिए और इसकी प्रगति का लगातार अनुश्रवण किया जाना चाहिए। बिहार में अधिकांश माता-पिता 14 साल उम्र होते ही अपनी लड़की की शादी कर देने की सोचते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए बिहार सरकार लड़कियों को स्नातक तक पढ़ाने में मदद देने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। इससे लड़कियों का सशक्तीकरण करने और प्रजनन दर घटाने में मदद मिलेगी। उनका सुझाव था कि इस बाल बजट निर्माण अभ्यास के परिणाम को मापने के लिए अध्ययन होने चाहिए।

बिहार यूनीसेफ कार्यालय की प्रधान सुश्री नफीसा बिंते शफीक ने आरंभिक वक्तव्य दिया। उनकी टिप्पणी थी कि आरंभ में बाल बजट में 8 विभाग शामिल थे लेकिन आज उसके लिए 11 विभाग सूचनाएं देंगे। बिहार सरकार द्वारा हासिल महत्वपूर्ण विकासमूलक लाभों को कोविड के प्रकोप के कारण खतरा पहुंच रहा है।

ASIAN DEVELOPMENT RESEARCH INSTITUTE
BSIDC Colony, Off Boring-Patliputra Road, Patna - 800 013, Tel. : 0612-2575649, Fax : 0612-2577102
E-mail : adripatna@adriindia.org / adri_patna@hotmail.com, Website : www.adriindia.org

आद्री के सदस्य सचिव डॉ. प्रभात पी. घोष ने स्वागत भाषण में कहा कि शिशु मृत्यु दर की बात करें, तो इस मामले में बिहार राष्ट्रीय स्तर के समकक्ष पहुंच रहा है लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा नहीं है। यूनीसेफ के श्री प्रशांत ऐश ने प्रथम सत्र के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

दूसरे सत्र में आद्री स्थित सीईपीपीएफ की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बर्ना गांगुली ने बाल बजट मैनुअल, 2021 की भूमिका सामने रखी। उन्होंने बताया कि किस तरह से बाल बजट मैनुअल लाना संभव हो पाया और संबंधित विभागों को बाल बजट तैयार करने में इससे कैसे मदद मिलेगी। योजना एवं विकास विभाग के पूर्व अपर निदेशक श्री प्रमोद कुमार वर्मा ने बाल बजट से संबंधित सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के 21 सूचकों पर केंद्रित करके अपनी बातें रखीं। वित्त विभाग के बजट अधिकारी-सह-उप-सचिव श्री संजीव मित्तल ने बाल बजट निर्माण की प्रक्रिया पर नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। आद्री के श्री सुदीप कुमार पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)

ASIAN DEVELOPMENT RESEARCH INSTITUTE
BSIDC Colony, Off Boring-Patliputra Road, Patna - 800 013, Tel. : 0612-2575649, Fax : 0612-2577102
E-mail : adripatna@adriindia.org / adri_patna@hotmail.com, Website : www.adriindia.org